Program outcome

For B-A- certificate /Diploma /Degree/ Honors course

Discipline - Hindi

Session& 2025- 26

According to NEP

1. 4 वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम पूर्ण करने पर विद्यार्थी –
2. भाषा और साहित्य की व्यापक रूप तथा उसके महत्व को समझने में सक्षम हो सकेंगे।
3. भारतीय ज्ञान परंपरा की निरंतर उसकी महत्व एवं उसे ज्ञान परंपरा से स्वयं एवं समाज को समृद्ध करने की दिशा में अग्रसर हो सकेंगे
4. अपने विचार एवं भावों को मौखिक एवं लिखित रूप में अभिव्यक्त करने हेतु सक्षम हो सकेंगे।
5. मानविकी और सामाजिक विज्ञान के विषयों के अंतर संबंधों को समझ कर अपना दृष्टिकोण व्यापक कर सकेंगे।
6. प्राचीन मध्यकालीन एवं आधुनिक भारतीय साहित्य की अवधारणा को समझ सकेंगे।
7. साहित्य और लोक तत्व एवं लोक जीवन से जुड़कर अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकेंगे।
8. विद्यार्थियों में तर्कों एवं प्रमाणों द्वारा प्रत्येक क्षेत्र में निर्णय लेने की क्षमता का विकास होगा।
9. लैंगिक संवेदनशीलता एवं सद्भाव का विकास हो सकेगा।
10. नवीन संदर्भों में शोध दृष्टि विकसित होगी।
11. आधुनिक तकनीक के साथ हिंदी के रिश्ते को समझने की क्षमता का विकास होगा।
12. साहित्य के साथ मानव जीवन, विज्ञान तथा पर्यावरण को परिभाषित कर सकेंगे।
13. रोजगार के अवसरों की तलाश, सौंपी गई जिम्मेदारियां के निर्वहन एवं स्वयं का व्यवसाय शुरू करने संबंधी क्षमताओं की समझ का विकास हो सकेगा।

हिंदी विभाग

बी. ए. प्रथम सेमेस्टर डी.एस.सी.एवं जी. ई.

(हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)

1. विद्यार्थी लोक साहित्य इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण संबंधी ज्ञान से अवगत हो सकेंगे।
2. यूजीन परिस्थितियों और साहित्यिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में व्यापक दृष्टिकोण की समझ का विकास होगा।
3. आदिकाल से रीतिकाल तक की संपूर्ण रचनाओं और रचनाकारों और उनके विविध विषयों पर विश्लेषणात्मक विचारशीलता का विकास हो सकेगा।
4. यूजीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर साहित्य और समाज के अंतर संबंधों को समझ पाने में समझ हो जाएंगे।
5. हिंदी गद्य कि अभी भाव के प्रधान कारणों एवं परिस्थितियों को समझ सकेंगे।

हिंदी विभाग 2025–26

बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

हिंदी भाषा AEC (Ability enhancement course)

1. विद्यार्थी हिंदी भाषा एवं व्याकरण संबंधी ज्ञान से समृद्ध होंगे।
2. भाषा के ज्ञान के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं भावनात्मक एकता के महत्व को समझने की क्षमता विकसित हो सकेगी।
3. मुहावरे एवं लोकोक्तियां का महत्व समझ सकेंगे।
4. व्यंग्य, निबंध एवं कविता विधा से परिचित होंगे।
5. निबंध लेखन एवं अपठित गद्यांश के माध्यम से विद्यार्थियों का बौद्धिक विकास हो सकेगा।

हिंदी विभाग 2025– 26

BA III सेमेस्टर DSC and GE

मध्यकालीन हिंदी काव्य

1. विद्यार्थी तत्कालीन सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से अवगत होंगे।
2. युगीन मूर्धन्य कवि – कबीर दास, तुलसीदास, सूरदास, घनानंद के काव्य के माध्यम से साहित्य और समाज के अंतर संबंधों को समझने की क्षमता का विकास होसकेगा।
3. विद्यार्थी गौरवशाली मध्यकाल की काव्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
4. विद्यार्थियों में मध्यकालीन काव्य की प्रति आलोचनात्मक एवं व्यावहारिक दृष्टि की समझ विकसित हो सकेगी।
5. छात्रों में मानवतावादी मानवीय मूल्य का विकास होगा।

हिंदी विभाग 2025 –26

B.A. III सेमेस्टर DSE

1. विद्यार्थी महाकवि तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होंगे।
2. हिंदी का भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी तुलसी साहित्य की व्यापक प्रासंगिकता से अवगत होंगे।
4. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता का विकास हो सकेगा।
5. विद्यार्थी युगीन सामाजिक– सांस्कृतिक परिस्थितियों से अवगत होंगे।

हिंदी विभाग

B.A.-/B.Sc/B.Com तृतीय वर्ष (BCA-III)

आधार पाठ्यक्रम– हिंदी भाषा प्रश्न पत्र– प्रथम

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

1. हिंदी साहित्य की मूल संवेदना से सामान्य रूप से परिचित कराना।
2. भारत की सामाजिक आर्थिक एवं पर्यावरण संबंधी समग्र राष्ट्रीय विकास की रणनीति के विषय में सामान्य जानकारी प्रदान करना।
3. हिंदी में अभिव्यक्ति की पद्धतियों से अवगत कराना एवं उनके संप्रेषण कौशल में वृद्धि करना।
4. कामकाजी भाषा का सम्यक ज्ञान प्रदान करना।

Course learning outcome (CLO)

1. हिंदी साहित्य से सामान्य परिचय हो सकेगा।
2. हिंदी में अभिव्यक्ति की पद्धतियों से परिचय होगा एवं उनके संप्रेषण कौशल में वृद्धि होसकेगा।
3. कामकाजी भाषा लेखन का कौशल विकसित हो सकेगा।
4. भारतीय संस्कृति के समन्वनात्मक स्वभाव के प्रति विश्वास जागृत हो सकेगा।

हिंदी विभाग

B.A. तृतीय वर्ष हिंदी साहित्य प्रथम प्रश्न पत्र

छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य

प्रस्तावना एवं उद्देश्य

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और संस्कृति के प्रति रुचि और सजकता का विकास।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप से परिचय।
3. लोक साहित्य तथा इसकी विभिन्न विधाओं से परिचय तथा छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य के प्रति जागरूकता का विकास।
4. समकालीन छत्तीसगढ़ी साहित्य से परिचय।
5. छत्तीसगढ़ी भाषा की संरचनात्मक एवं प्रयोजनात्मक पक्ष से परिचय।
6. छत्तीसगढ़ी के सामाजिक जीवन एवं संस्कृति तथा व्यवहार से सामान्य परिचय।

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (CLO)

इस पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थी –

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और संस्कृति के प्रति अभिमुख होंगे।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा के स्वरूप का सामान्य परिचय प्राप्त होगा।
3. लोक साहित्य एवं इसकी विभिन्न विधाओं से परिचय होगा।
4. छत्तीसगढ़ी लोक संस्कृति के प्रति जागरूकता का विकास होगा।
5. छत्तीसगढ़ी समकालीन साहित्य से परिचय होगा।
6. छत्तीसगढ़ी भाषा की संरचनात्मक एवं परियोजनात्मक पक्ष से परिचय होगा।
7. छत्तीसगढ़ी के सामाजिक जीवन एवं संस्कृति तथा भाषा व्यवहार से परिचय होगा।
8. छत्तीसगढ़ी भाषा के क्षेत्र करियर बनाने की इच्छुक विद्यार्थियों को तैयार करना।
9. राज्य स्तरीय प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थी को तैयार करना।

हिंदी विभाग 2025–26

B.A. तृतीय वर्ष हिंदी साहित्य प्रश्न पत्र द्वितीय

हिंदी भाषा –साहित्य का इतिहास तथा काव्यांग विवेचन

प्रस्तावना – हिंदी भाषा का इतिहास जितना प्राचीन है उतना ही गुर गहन भी । इसमें रचित साहित्य ने लगभग डेढ़ हजार वर्षों का इतिहास पूरा कर लिया है। इसलिए हिंदी भाषा और साहित्य के इतिहास विवेचन की बड़ी आवश्यकता है। साथ–सा द हिंदी ने अपना जो स्वतंत्र साहित्य शास्त्र निर्मित किया है। उसे भी रूपमित करने की आवश्यकता है। संज्ञान द्वारा विद्यार्थी की मर्म ग्रहणी प्रतिभा का विकास होगा। और ऐतिहासिक परिपेक्ष में शुद्ध साहित्यिक विवेक का समावेश होगा।

पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलाब्दियां (CLO)

1. हिंदी भाषा की आधारभूत ज्ञान प्राप्ति के साथ हिंदी के विविध रूपों से अवगतकरना।
2. हिंदी के शब्द भंडार से परिचित कराना जिससे विद्यार्थियों की भाषा समृद्ध और परिमार्जित हो सके।
3. भाषा साहित्य तथा संस्कृति के प्रति विद्यार्थियों की समझ और विवेक को विकसित करना।
4. हिंदी साहित्य के इतिहास की संक्षिप्त जानकारी देकर विद्यार्थियों को साहित्य की प्रमुख युगीन प्रवृत्तियों के साथ विकास क्रम से अवगत कराना तथा उसे कल की ऐतिहासिक सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से भी परिचित कराना।
5. काव्यांश विवेचन में अलंकारों और छंदों का अध्ययन कर भाषा के सौंदर्य के साथ–साथ काव्य परंपरा को भी समृद्धि करना।